

भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *289
जिसका उत्तर 20.03.2025 को दिया जाना है
टोल बूथों पर घोटाले

*289. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर टोल बूथों/पुलों पर फर्जी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए गए घोटाले के बारे में जानकारी है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देशभर के सभी टोल बूथों/पुलों की जांच कराने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) अब तक सामने आए घोटाले में कितनी धनराशि अंतर्ग्रस्त है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“टोल बूथों पर घोटाले” के संबंध में श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा पूछे गए दिनांक 20.03.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *289 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) द्वारा जिला मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के माध्यम से दर्ज एक घटना सरकार के संज्ञान में आई है, जिसमें अत्रैला शिव गुलाम प्रयोक्ता शुल्क प्लाजा में स्थापित टोल प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) सॉफ्टवेयर के माध्यम से संग्रहित नकदी को राउट करने के बजाय अलग-अलग हैंडहेल्ड मशीनों के माध्यम से गैर-फास्टैग / काली सूची (ब्लैक लिस्ट) में डाले गए फास्टैग वाहनों से आंशिक नकद संग्रहण का आरोप लगाया गया है। प्रयोक्ता शुल्क संग्रहण करने वाली एजेंसियां, नकद संग्रहण की प्रक्रिया प्रयोक्ता शुल्क प्लाजा के टोल प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से करने के लिए बाध्य हैं। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण (ईटीसी) प्रणाली में कोई उल्लंघन नहीं हुआ है, जिसके माध्यम से 98% से अधिक प्रयोक्ता शुल्क संग्रहण होता है।

(ख) से (ग) सरकार ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। समिति के प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार, जहां तक ईटीसी का संबंध है, फास्टैग का बुनियादी ढांचा, ईटीसी तंत्र उचित प्रतीत होता है। उल्लेखनीय है कि 98% टोल संग्रहण ईटीसी के माध्यम से होता है। हालांकि, इस व्यवस्था को बदलने के लिए निम्नलिखित तरीकों का उपयोग किया गया था:

- (i) जब गैर-वैध फास्टैग वाले वाहन शुल्क प्लाजा में प्रवेश करते हैं, तो बूम बैरियर नहीं खुलता है, जिससे लेनदेन नकद में बदल जाता है। प्रयोक्ता से उस श्रेणी के वाहनों के लिए लागू शुल्क का दोगुना भुगतान करने की अपेक्षा की जाती है। टोल ऑपरेटर इस लेनदेन को छूट या उल्लंघन श्रेणी के रूप में घोषित कर सकता है और अवैध पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) मशीनों का उपयोग करके भुगतान रसीद बना सकता है, जिससे उक्त संग्रहण को ईटीसी और टीएमसी प्रारूप में दर्शाया नहीं जा सकता है।
- (ii) अति भार लदे वाहनों से स्वीकार्य शुल्क के अलावा नकद भुगतान वसूलने की भी संभावना हो सकती है, जिसका ईटीसी/टीएमसी प्रणाली में हिसाब नहीं हो सकता है।

घटना से पहले की तुलना में घटना के बाद नकद लेनदेन के प्रतिशत (%) में वृद्धि देखी गई है, जो यह संकेत देती है कि ऐसी संभावना हो सकती है कि टोल ऑपरेटर उन वाहनों से नकद शुल्क वसूल

रहे हैं जिनके पास फास्टैग नहीं है और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टोल प्रबंधन प्रणाली में इसका हिसाब नहीं है।

इस घटना में, एनएचएआई द्वारा प्रयोक्ता शुल्क एजेंसी के संविदा करार को तुरंत समाप्त कर दिया गया है, प्रतिभूति बैंक गारंटी को भुनाया गया है और प्रयोक्ता शुल्क संग्रहण एजेंसी को उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल द्वारा आपराधिक कार्रवाई के अलावा करार के प्रावधानों की शर्तों के अनुसार एक (01) वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, एफआईआर के आधार पर 13 प्रयोक्ता शुल्क संग्रहण एजेंसियों को भी दो (02) वर्षों की अवधि के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।

एनएचएआई अधिक संग्रहण करने वाले टोल प्लाजा पर ऑडिट कैमरे लगाने पर भी विचार कर रहा है, ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके गुजरने वाले वाहनों की सटीक गणना और वर्गीकरण की स्वतंत्र रूप से निगरानी की जा सके।

इसके अतिरिक्त, एनएचएआई ने घरौंडा, चोर्यासी, निमिली, शहरी विस्तार सडक-II और द्वारका एक्सप्रेसवे पर प्रायोगिक (पायलट) आधार पर फास्टैग और ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) आधारित निर्बाध टोलिंग प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। यह प्रणाली प्रयोक्ता शुल्क संग्रहण को विशेष रूप से फास्टैग के माध्यम से सक्षम बनाती है, जिससे टोल संग्रहण प्रक्रिया से नकद संग्रहण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
